श्री सरस्वती देवी जी की आरती

आरती कीजै सरस्वती की |
जननि विद्या बुद्धि भक्ति की || आरती .... || १ ||

जाकी कृपा कुमति मिट जाए ।
सुमिरन करत सुमति गति आये ||
शुक सनकादिक जासु गुण गाये ।
वाणि रूप अनादि शक्ति की || आरती .... || २ ||

नाम जपत भ्रम छूट दिये के ।
दिव्य दृष्टि शिशु उधर हिय के ||
मिलहिं दर्श पावन सिय पिय के ।
उड़ाई सुरभि युग युग कीर्ति की || आरती .... || ३ ||

रचित जासु बल वेद पुराणा ।
जेते ग्रन्थ रचित जगनाना ||
तालु छन्द स्वर मिश्रित गाना ।
जो आधार कवि यति सती की || आरती .... || ४ ||

सरस्वती की वीणा वाणी कला जननि की || आरती .... || ५ ||

With Blessings :
'Mahadacharya' KALYANASASTRY AMANCHI
website : www.viswakalyanam.org, mailid : kalyanasastry@viswakalyanam.org,
17-38(B), Road Behind Ayyappa Temple, Ramamandir Street, CHIRALA,
Pin : 523 155, Prakasam District, (A.P.), INDIA.
India Ph. : 91-9248581234, Usa Ph. : 614+874+9133